सत्यलोक - गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम- वाराणसी, जुलाई - 2024

प्रियजन,
'सत्यलोक', वाराणसी स्थित लाहिड़ी पारिवारिक मंदिर में जुलाई 2024 में गुरुपूर्णिमा पूजा और क्रियायोग दीक्षा का कार्यक्रम गुरुदेव श्री उज्ज्वल लाहिड़ी द्वारा सम्पन्न होगा।

वंश-परंपरा की क्रियायोग दीक्षा एक गहन प्रक्रिया है जिसमें क्रियायोग के तीनों आयामों – 1) **स्वाध्याय** - स्वाध्याय की वाणी, 2) **तप** - क्रिया दीक्षा और 3) **ईश्वरप्रणिधान** अर्थात् अखंड सचेतनता और अष्टांग-योग यानी कि योग-जीवन के आठ आयामों को विस्तृत रूप से साझा किया जाता है।

कार्यक्रम निम्नलिखित है:

दिन 1 - 18 जुलाई 2024, गुरुवार - संध्या 7:00 बजे से - दीक्षा पूर्व स्वाध्याय की वाणी

दिन 2 - 19 जुलाई 2024, शुक्रवार - सुबह 8:30 बजे से – क्रिया-दीक्षा (तप)

दिन 3 - 20 जुलाई 2024, शनिवार - सुबह 8:30 बजे से - ईश्वरप्रणिधान एवं क्रिया पुनरावलोकन

दिन 4 - 21 जुलाई 2024, रविवार - सुबह 10:00 बजे से - गुरुपूर्णिमा पूजा तत्पश्चात् पुष्पांजलि एवं भंडारा प्रसाद (भोजन)

दिन 5 - 22 जुलाई 2024, सोमवार - सुबह 9:00 से संध्या 9:00 तक - कबीर चौराहा (संत कबीर आश्रम) दर्शन एवं सत्संग और संध्या में कबीर आश्रम के कलाकारों द्वारा कबीर भजन - केवल पुराने क्रियावानों के लिए।

दिन 6 - 23 जुलाई 2024, मंगलवार - सुबह 6:30 से 7:30 बजे तक - गुरुजी के साथ गंगा तट पर भ्रमण और सुबह 8:00 बजे से संध्या 9:00 तक - सामूहिक क्रिया अभ्यास, क्रिया पुनरावलोकन एवं क्रिया अभ्यास से संबंधित प्रश्नोत्तर, संध्या भजन एवं आरती, हनुमान पूजा और नृत्य एवं संगीत - केवल पुराने क्रियावानों के लिए।

इस संदर्भ में निम्नलिखित सूचनाएँ पठनीय हैं –

1) बाहर से आनेवाले सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि उपर्युक्त कार्यक्रम के आलोक में वे अपनी यात्रा की योजना इस प्रकार बनायें कि 18 जुलाई, गुरुवार के दोपहर तक वाराणसी अवश्य पहुँच जाएँ और 20 जुलाई, शनिवार की संध्या 08:00 के पश्चात् ही वाराणसी से प्रस्थान करें।

2) सभी दीक्षार्थियों के लिए 18 जुलाई 2024 के 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में उपस्थिति आवश्यक है। किसी भी कारण से यदि कोई दीक्षार्थी 'स्वाध्याय की वाणी' कार्यक्रम में भाग नहीं ले पाता है तो उसे क्रियादीक्षा में भाग लेने की अनुमति नहीं होगी।

3) दीक्षा कार्यक्रम के दौरान अर्थात् 18 से 20 जुलाई 2024 तक अपने ठहरने की व्यवस्था दीक्षार्थी को स्वयं करनी होगी। इस संबंध में सुझाव है कि दीक्षार्थी अपने ठहरने की व्यवस्था दशाश्वमेध घाट, चौषट्टी घाट, चौषट्टी देवी मंदिर के आसपास करें ताकि निकट होने से 'सत्यलोक' आने-जाने में सुविधा हो।

4) कार्यक्रम में भाग लेनेवाले सभी लोगों के लिए सत्यलोक मंदिर का भंडारा प्रसाद (दिन एवं रात्रि का भोजन) निःशुल्क उपलब्ध होगा। भंडारा 18 जुलाई के रात्रि भोजन से प्रारंभ होकर 23 जुलाई 2024 के रात्रि भोजन तक चलेगा।

5) यदि कोई दीक्षार्थी पहले दिन, दूसरे दिन एवं तीसरे दिन के उपर्युक्त कार्यक्रमों के किसी भी भाग में हिस्सा नहीं ले पाता है तब उसकी दीक्षा पूर्ण नहीं मानी जाएगी और इसीलिए मंदिर के दीक्षित लोगों के रजिस्टर में उसका नाम नहीं चढ़ाया जाएगा।

6) उपलब्ध समय में अधिकतम लोगों तक बात पहुँचाने हेतु दीक्षा संबंधी सभी कार्यक्रम केवल हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में संचालित होंगे।

7) दीक्षा कार्यक्रम में नए दीक्षार्थियों के अतिरिक्त केवल वंश-परंपरा में दीक्षित पुराने क्रियावान भाग ले सकते हैं।

8) सभी दीक्षार्थियों से निवेदन है कि 'सत्यलोक' आने के पूर्व कृपया ई-मेल भेज कर क्रियायोग दीक्षा के लिए अपना पंजीकरण अवश्य करा लें। उसके लिए कृपया अपना पूरा नाम, उम्र, संपर्क-पता, फोन नंबर, व्हाट्सएप नंबर, ईमेल तथा जुलाई 2024 में क्रियायोग दीक्षा हेतु पंजीकरण कराने संबंधी निवेदन लिखकर satyalokinitiation@gmail.com पर ईमेल कर दें। ईमेल का उत्तर ईमेल प्राप्ति के 10 दिनों के अंदर दिया जाएगा।

9) जो दीक्षार्थी पंजीकरण हेतु भेजे जानेवाले ईमेल के साथ ही अपनी यात्रा का प्रमाण अर्थात् वाराणसी आने एवं वहां से जाने की यात्रा टिकट का कॉपी भी भेजते हैं, उन्हें दीक्षा के लिए स्थान प्राथमिकता के आधार पर आवंटित किया जाएगा तथा उनके पंजीकरण की पुष्टि तत्काल की जाएगी।

10) जो दीक्षार्थी पंजीकरण हेतु भेजे जानेवाले ईमेल के साथ अपनी यात्रा का प्रमाण नहीं भेजे हैं, वे कृपया पुष्टि का ईमेल प्राप्त होने के 15 दिनों के अंदर अपनी यात्रा टिकट अर्थात् वाराणसी आने एवं वहां से जाने की यात्रा टिकट का कॉपी अवश्य भेज दें ताकि दीक्षा के लिए उनका स्थान आरक्षित किया जा सके। अन्यथा, जो आपके बाद भी यात्रा टिकट के साथ पंजीकरण हेतु ईमेल भेजेंगे, उनको आपका स्थान दे दिया जाएगा। इस संबंध में कोई रिमाइंडर नहीं भेजा जाएगा।

नोट -- दीक्षा हेतु पहले से ऑनलाइन पंजीकरण कराना आवश्यक है। अतः बिना पूर्व पंजीकरण के दीक्षा हेतु सीधे 'सत्यलोक' आने वालों को दीक्षा में भाग लेने की अनुमति तभी दी जाएगी जब पहले से ऑनलाइन पंजीकृत लोगों के बैठने की व्यवस्था के बाद भी स्थान रिक्त रहेगा। दीक्षा की अनुमति मिलने पर ऐसे लोगों को भी प्रथम दिन के "स्वाध्याय की वाणी" कार्यक्रम में भाग लेना अनिवार्य होगा। उनके द्वारा वाराणसी में ठहरने अथवा यात्रा प्रमाण द्वारा यह सुनिश्चित भी करना होगा कि वे 20 जुलाई तक के सभी कार्यक्रमों में भाग लेंगे और तभी उन्हें दीक्षा में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

किसी भी अन्य जानकारी हेतु कृपया संपर्क करें–

श्री कृष्णन @77188 98055 (व्हाट्सएप), (भारतीय समय 04:00 से 09:00 अपराह्न तक)

श्री कामाख्या प्रसाद @94319 35954 (व्हाट्सएप), (भारतीय समय 04:00 से 09:00 अपराह्न तक)

दीक्षा हेतु पंजीकरण केवल ईमेल द्वारा ही स्वीकार होगा। व्हाट्सएप अथवा एस.एम.एस. द्वारा पंजीकरण का निवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जयगुरु